अग्रवाल महाविद्यालय बल्लभगढ़ में विश्व खाद्य सुरक्षा दिवस पर अतिथि व्याख्यान का आयोजन

अग्रवाल महाविद्यालय बल्लभगढ़ में महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. कृष्ण कांत गुप्ता जी के कुशल मार्गदर्शन में अंग्रेजी विभाग व सस्टेनेबल डेवलपमेंट गोल् क्लब के संयुक्त तत्वाधान में एक अतिथि व्याख्यान का आयोजन किया गया। विश्व खाद्य सुरक्षा दिवस के अवसर पर आयोजित इस व्याख्यान का विषय **"बेहतर स्वास्थ्य और कल्याण के लिए सुरक्षित एवं पौष्टिक आहार"** रहा। इस अवसर पर आमंत्रित रिसोर्स पर्सन फिजिशियन गव्यसिध डॉ. अमित कुमार वत्स ने प्राकृतिक पंचगव्य चिकित्सा के महत्व पर व्याख्यान दिया। उन्होंने बताया कि पिताशय सुरक्षा कवच का कार्य करता है। डॉ. अमित ने प्रोटीन व विटामिन युक्त आहार का सेवन करना चाहिए। योगाचार्य प्रीति ढींगरा ने योग व प्राणायाम विषय पर विस्तार से चर्चा की। उन्होंने बताया कि योग पद्धति की सहायता से लाइलाज बीमारियों का इलाज संभव है। महाविद्यालय प्राचार्य डॉ. कृष्णकांत गुप्ता जी ने अपने वक्तव्य में पंचकोश के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि सुरक्षित व पौष्टिक आहार अच्छे स्वास्थ्य का प्रथम चरण है। जैसा कि कहा भी गया है **"जैसा खावोगे अन्नं वैसा रहेगा मन"**। गौरतलब है कि 2015 में संयुक्त राष्ट्र संघठन ने सस्टेनेबल डेवलपमेंट के 17 लक्ष्य निर्धारित किये हैं जो कि 2030 तक पूरे करने हैं। इन लक्ष्यों में से अग्रवाल महाविद्यालय ने 4 लक्ष्यों को अपनाया है जो इस प्रकार है: स्वास्थ्य और कल्याण, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, लैंगिक समानता और सस्ती एवं स्वच्छ ऊर्जा। व्याख्यान के उपरांत विद्यार्थियों ने स्वस्थ संबंधी प्रश्न पूछे जिनका डॉ. अमित ने प्राकृतिक चिकित्सा विधियों के माध्यम से जवाब दिया। डॉ. मनोज शुक्ला एसडीजी क्लब के संयोजक हैं। कार्यक्रम की संयोजिका अंग्रेजी विभागाधक्ष्या श्रीमती कमल टंडन ने सतत विकास लक्ष्य की महत्ता और आवश्यकता के बारे में बताया। उन्होंने छात्रों को उत्साहपूर्वक क्लब में भाग लेने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने इस क्लब के उज्ज्वल परिणाम के लिए भी शुभकामनाएं दीं। इस अवसर गणित विभागाध्यक्ष डॉ. के एल कौशिक, चारों लक्ष्यों के समन्वयक डॉ. गीता गुप्ता, डॉ. रेखा सेन, डॉ. देवेन्द्र, मैडम प्रिया अरोरा, डॉ. नेहा बतरा, मैडम नेहा गोयल, डॉ. इनायत चौधरी, सुभाष कैलोरिया एवं महाविधालय के शिक्षकगण व विद्यार्थी उपस्थित रहे। महाविद्यालय प्रांगण में गत 5 जून 2022 “विश्व पर्यावरण दिवस " से पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता बढ़ाने के लिए सभी शिक्षक, गैर-शिक्षक कर्मचारी व छात्रों के द्वारा पर्यावरण संरक्षण से संबंधित स्लोगन लिखने व हस्ताक्षर अभियान की शुरुआत की गई ।महाविद्यालय प्राचार्य डॉ. कृष्ण कांत गुप्ता जी ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण केवल पर्यावरण दिवस तक ही सीमित ना होकर हमारी दैनिक दिनचर्या का भाग बनना चाहिए, पर्यावरण संरक्षण केवल एक व्यक्ति के करने से नहीं होगा, बल्कि हर एक व्यक्ति को इसे अपनी जिम्मेदारी समझना होगा

और तभी हम अपने व अपनों का जीवन बचाने में सक्षम होंगे। स्लोगन और हस्ताक्षर अभियान में सैकड़ों प्रविष्टियां दर्ज हुई।